नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 15.10.2021

प्रकाशनार्थ

(महाराणा प्रताप महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से)

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली तथा इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में **'भारत का स्वातंत्र्य समर : गोरखपुर परिक्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में'** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज से **महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर** में शुभारम्भ होगा। संगोष्ठी के सन्दर्भ में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** नें मीडिया को बताया कि भारत के स्वाधीनता संघर्ष में पूर्वी उत्तर प्रदेश, खासकर गोरखपुर क्षेत्र का योगदान अविस्मरणीय है। देश के स्वातंत्र्य समर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज, बाबा राघवदास, अक्षैबर सिंह, भाई जी हनुमान प्रसाद पोद्दार जैसे महान मनीषियों ने इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। शैक्षिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्रांतियों का सूत्रपात किया। भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन को न सिर्फ तीव्र गति दी, अपितु उचित दिशा भी प्रदान की। इसके अतिरिक्त शहीद बंधू सिंह, वीर कुँवर सिंह, चित्तू पाण्डेय जैसे माँ भारती के सपूतों ने भी राष्ट्रीय आन्दोलन की बलिवेदी पर अपन सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। डोहरिया कला, पैना, छावनी, सतासीराज, सेवरही, तमकुॅही, चौरी–चौरा जैसे क्रांति केन्द्रों से संचालित स्वतंत्रता की बयार नें अंततः न सिर्फ अंग्रेजी राज की चूलें हिला दी बल्कि देश के इतिहास में अपने क्षेत्र का नाम भी स्वर्ण अक्षरों में अंकित करा दिया। देश का यह दुर्भाग्य है कि ऐसे वीर क्रांतिकारियों, सेनानियों, समाज सुधारकों एवं स्वतंत्रता के ऐसे पुनीत तीर्थ स्थलों को योजनाबद्ध तरीके से गुमनामी के स्याह अंधेरो में झोंक दिया गया। भारतीय इतिहास के इन्ही स्याह पृष्ठों को प्रकाश में लाने के उद्देश्य से ही महाविद्यालय ने इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है। संगोष्ठी में देश भर के विद्वान एकत्रित होकर सामूहिक परिचर्चा के माध्यम से इस विषय पर तथ्य एवं तर्क पूर्ण निष्कर्ष निकालेंगे।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष **प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त** करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय** एवं सारस्वत अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश शासन के राज्य सूचना आयुक्त **डॉ. हर्षवर्धन शाही** उपस्थित रहेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत के अध्यक्ष एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य **प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी** बीज वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। समापन समारोह 17 अक्टूबर दिन रविवार को आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य **प्रो. राजवन्त राव** करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. रजनीश शुक्ल** की उपस्थिति रहेगी। मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष एवं आचार्य **प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य** का उद्बोधन होगा। दो दिन तक चलने वाले इसी राष्ट्रीय संगोष्ठी के विभिन्न तकनीकि सत्रो में 45 से अधिक शोध पत्रो का वाचन होगा। साथ ही साथ देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वानों का भी संगम होगा। इस बाबत राष्ट्रीय संगोष्ठी की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

Mishra

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
संगोष्ठी संयोजक एवं सचिव